(16) कपार पीटेक — भाग्य को दोष देना
(भाइग के दोस देवेक)

(17) एक गोड ठंड़ाइक — हुकुम माने ले तइयार रहेक
(हुक्म मानने को तैयार रहना)

(18) आंइख लागेक — सोना / झपकी मारना

(19) आइग लागेक — मांग से कम पूर्ती होना या किसी चीज की कमी

(20) आइग टांगेक — जोखिम भरा काम करना या खूब नटखट होना

(21) अंगरी करेक — दबाव देते रहना

(22) अंगना कारो करेक — किसी के घर बार-बार जाना

(23) आइग-काठी करेक — खाना बनाने की तैयारी

(24) आइझ-काइल्ह हेवेक — मृत्यु निकट होना

(25) आइझ-काइल्ह करेक — टाल-मटोल करना

(26) कचहरी करेक — गप्पें हांकना

(27) काठ मारेक — हक्का-बक्का होना

(28) कंधा जोरेक — सहयोग करना

(29) अतवाइन करेक — परेशान करना

(30) उटका-पुरान करेक — पुरानी बातों को उधेड़ना

(31) उल्खा-उल्खी करेक — दिए गए मदद की चर्चा करना

(32) अड़बेरिया हेवेक — देर होना

(33) आसन दिएक → सम्मान करना
या
जिद करना

(34) कउआइर करेक → हल्ला करना

(35) आड़े बनवेक → टेढ़ी नजर से देखना
→ गुस्सा करना

(36) कठमार हवेक → तगड़ा जवाब
या
स्वीकार होना

(37) आड़े हवेक → जिम्मेवारी से ~~भागना~~
भागना

(38) आड़े आँइखे देखेक → गैर बराबरी का
भाव

(39) आँइख फुटेक → ईर्ष्या होना
(डाह)

(40) आँइख उलटेक → बेइमानी करना

(41) आँइख खुजेक
आँइख फुटेक } → दुनिया से परिचित
होना।

(42) ~~तर~~ तर-तर करेक → बकवास करना

(43) ढनकल भुलेक → अभाव ग्रस्त होना

(44) घेवांइढ करेक → बहाना बनाना

(45) कुरइ पोवेक → फल पाना या सजा मिलना

(46) कांटा घोरेक → मार्ग/राह बंद करना

(47) ~~भात~~ गतर झारेक → मेहनत करना

(48) गात चोरबेक → कामचोरी करना

(49) गाल बजबेक / कचहरी करेक } → गप्पें हांकना

(50) कोड़ो कुटेक → परेशान करना

(51) गाध चढ़बेक → किसी को उत्साहित करना या किसी की बड़ाई करना

(52) कानेक सोना हेवेक → काफी प्रिय होना या दुलारा होना

(53) कुकुरपेटा हेवेक → पेट नहीं भरना या इधर-उधर ~~भटका~~ भटकना

(54) टेढ़िआइल चलेक → घमंड करना

(54) ढ़ाक बजबेक → शोर-शोर से प्रचार करना

(55) तीन करेक → उपाय करना

(56) नाक कटवेक → प्रतिष्ठा में आँच आना

(57) बाँये - दाहिने करेक → अव्यवस्थित बँटवारा

(58) मिन-मेख बहरावेक → दोष खोजना

(59) माला जपेक → अजगाइर या फालतू बैठे रहना

(60) मुंड़ मुचकावेक → जिम्मेदारी से भागना या धोखा देना

(61) मुंह चोचवइल करेक → बेकार बहस करना

(62) कान पातेक → ध्यान से सुनना

(63) सरगेक मुतेक → अहंकारी होना

(64) सरगे चढ़ेक → बहकना

(65) हरदी बोलेक → हार मानना

(66) जीउ मांतेक → इच्छा को दबाना

(67) जीव काठ करेक → कठोर बनना

(68) पाँड़े बनेक → बुद्धु (बेवकूफ) बनना

(69) दादा भइया करेक → खुशामद करना

(70) थाह लगवेक → असलियत का पता लगाना।

(71) हुलमाइल करेक → आंदोलन करेक

(72) धीक्का लेदर करेक → दोष निकालकर अपमानित करना

(73) अरइ देवेक → प्रेरित करना (उकसावेक)

(74) कुंइव-कांइव के करेक → बहुत मेहनत से करना।

(75) घेंचा धरेक → जोर-जबर्दस्ती करना

(76) झाला-झाली करेक → याद करना

(77) दू जीवाही हवेक → गर्भवती होना

(78) फुरचुंदिये आइग लागेक → तीव्र गुस्सा

(79) कान काटेक → प्रतियोगिता में आगे बढ़ना।

(80) मुंहगर हवेक → वाचाल होना

(81) मुंह छांदेक → याचना करना

(82) एड़ी रगड़ेक → याचना करना

(83) चवइ करेक → चुगली करना

(84) काने तेल दइ सुतेक → बेफिक्र होना

(85) दाही-दांदी हवेक → परेशान होना।

(86) हाड़ रगड़ेक → काफी मेहनत करना

(87) मुँहे लगाम दिएक → चुप रहना

(88) नाक रगड़ेक → क्षमा मांगना

(89) हुंदुआ कुटेक → खूब परेशान करना
या
बहुत मारना

(90) लार कुटेक → मीठी-मीठी बातें करके काम निकालना।

(91) हाड़ें हरदी लगवेक → खूब सताना

(92) बाप राखेक → विश्वास करना

(93) नाके नथुआ लगवेक → वश में करना

(94) आपन गोड़े ढेंव दिएक → स्वयं को हानि पहुंचाना।

(95) बोबी कुटेक → बकवास करना

(96) दादुर खेदेक → भगाना

(97) ताल ठोकेक → लड़ने के लिए आमंत्रित करना

(98) तोग-तकार करेक → अपमान करना

(99) ढंस करेक → दोषारोपण करना

(100) जीव जुड़ाइक → मन में संतोष होना।

(101) जीउ करेक → हिम्मत करना

(102) हाड़ कंपेक → काली डर जाना

(103) सिंघ नाग आंटेक → झगड़ा करना

(104) हरदी बोलेक → हार मानना

(105) हाडें घुन लागेक → क्रमशः कमजोर होना
या
गरीब होना

(106) बातिएं दूध पिएक → अल्पव्यस्क
या
अवयस्क

(107) डंड़ा सकतावेक → किसी काम के
लिए तैयार होना

(108) टांगे ढोल पीटेक → खूब खुश होना

(109) टांगा बजरावेक → सटीक जवाब
देना

(110) ठेपो देखवेक → बेइमानी करना
या
इंकार करना।

(111) छलकल चलेक
या
मलकल बुलेक } → दिखावा करना
या
फैशन करना

(112) छव-पांच करेक → निश्चय नहीं
कर पाना।

(113) जीउ पानी हवेक → परेशान होना।

(114) ठेस-मेस करेक → अनिश्चय की स्थिति होना।

(115) डिंड़ा उठेक → वंश विहिन
या
बुनियाद की समाप्ति
या
गृह त्याग

(116) जीउ-झांझर हवेक → किसी के प्रति दिल का टूट जाना

(117) गड़ाइल रहेक → बिना काम के बैठे रहना।

(118) अइर बइराइक → बैठे रहना कोई काम नहीं करना।

(119) गांइठ बांधेक → याद रखना

(120) खाटी गतेक → भारी-बीमार होना मृत्यु के निकट होना

(121) कान पकेक → सुनते-सुनते थक जाना

(122) कान अंइठेक → कसम खाना
या
दुबारा गलत काम न करना।

(123) कोरा लिएक → अपनाना।

(124) कांध-काठी पोढ़ेक → अग्नि संस्कार करना
या
दाह संस्कार करना

(125) अंकवाइर भरेक — गोद में भरना या छाती से लगाना

(126) अंकवाइर लगवेक — छाती से छाती मिलाना

(127) अंग-अंग कूटेक — अधिक थकान महसूस करना

(128) अंग फरकेक — सावधान होना

(129) अंगूठा छाप — मूर्ख (अनपढ़)

(130) अंगूठा देखवेक — ठीक समय पर मुकर जाना

(131) अंग-भंग करेक — तोड़-फोड़ करना

(132) आँइख आवेक — आँख में बिमारी होना।

(133) आँइख खुलेक — होश होना, ज्ञान होना

(134) आँइख गड़ेक — लोभ/लालच होना

(135) आँइख चौरवेक — भागे-भागे फिरना

(136) आँइख इंड़रवेक/देखवेक — गुस्सा करना

(137) आँइख डबड़वेक — दुःखी होना, अफसोस करना

(138) आँइख लड़ेक — नजर से नजर मिलाना

(139) आँइख सेंकेक — दर्शन से सुख अनुभव करना

(140) आँइखें चढ़ेक — दिमाग में बैठ लेना

(141) आँइखेक किरकिरी — दुश्मन

(142) आँइखे बइठेक — दिल से चाहना

(143) आँइखेक काँटा — रोड़ा, बाधक

(144) आँइखेक तारा — प्यारा, दुलारा

(145) आँइखें पानी — लिहाज, मान-मर्यादा

(146) आँइखें चरबी हेवेक — घमंड करना

(147) आँइखेक आगु अंधार — सूना मालूम पड़ना

(148) आँइखे पानी नाग — लाज-शर्म नहीं।

(149) घेंचाक हाड़ — बाधक

(150) घाव करेक — चोट पहुँचाना

(151) छाती जुड़ेक — बदला पूरा होना

(152) छाती पीटेक — अफसोस करना

(153) छातीम कोड़ो दररेक — बदला लेना

(154) जबान दिएक — वादा करना

(155) जबान खाली करेक — वादा पूरा न करना

(156) अवाज टानेक — कठोर सजा देना

(157) अवाजे लगाम दिएक — निर्गमण या काबू करना

(158) टाँग टाँग/गोड़ अड़ेक — बेमतलब दखल देना

(159) तरगोड़ सहलावेक
तरगोड़ चाटेक
तरगोड़ धोवेक } — खुशामद करना

(160) चिर पानी पवल काटे — धीरे-धीरे आगे बढ़ना

(161) दाँत खट्टा करेक — हरा देना

(162) दाँते अंगुरी दबावेक — अफसोस करना

(163) नाक कटेक — बेइज्जत होना

(164) नाक काटेक — बेइज्जत करना

(165) नाको दम करेक — परेशान करना

(166) नाक-मुँह कोंकरवेक (सिकुड़ेक)
↳ नफरत करना

(167) नाकेक बाल — अधिक प्यारा

(168) पसीना-पसीना होवेक — भारी थकावट

(169) पसीनाक कमाई — मेहनत की कमाई

(170) कानेठेपी लगवेक — जानबूझकर अनसुना करना

(171) कान ~~कापेक~~ मोरेक — शिकायत करना

(172) तीन कउड़ीक हेवेक — सस्ता होना

(173) कपार धरेक — अफसोस करना

(174) कपारेक बोझा — भारी जवाबदेही

(175) ~~कपारेक बोझा~~ —

(175) काँटक टक्कर — बराबरी का मुकाबला

(176) खुइन पिएक — शोषण करना

(177) गला लगवेक — प्यार करना

(178) गाल फुलवेक — रूठ जाना

(179) गालें तमान्या — बेइज्जत होना

(180) गालें हाथ धरेक — अफसोस करना

(181) गोड़ टानेक — आगे बढ़ने से रोकना

(182) गोड़ जमवेक — प्रभाव जमाना

(183) गोड़ उखड़ना — वर्चस्व कम होना

(184) गोड़ें पाँइख — काली तेज

(185) गोड़ भारी हेवेक — गर्भवती होना

(186) गोड़ पड़ेक — खुशामद करना

(187) मुँहें लगाम — नियंत्रण

(188) मोंहें ताव — अभिमान या घमंड

(189) मुड़ी ऊठवेक — विरोध करना

(190) मुड़ खुजवेक — बहाना करना

(191) हाथ तोड़ेक — सहायता बंद

(192) हाथ साफ करेक — चोरी करना

(193) हाथे-हाथ धइरके रहेक — बेकार समय गंवाना

(194) छुछ हाँथ — पैसा न होना या बिना कुछ किए लौटना

(195) आइग में कूदेक — खतरा मोल लेना

(196) आइग में घी ढारेक — उकसाना

(197) लोर पोंछेक — दुःख बाँटना

(198) काढ़े उछलेक — लांछन लगाना

(199) कोढ़े खाइके पढ़ेक — बेकार पढ़ाई

(200) डुमइरेक फूल — बहुत दिन बाद दर्शन देना

(201) घीवेक दिया बारेक — खुशी मनाना

(202) चाइर चाँद लगेक — अत्यधिक सुंदरता

(203) ढ़ढ़ल में नुन डालेक — दुःख ऊपर पाचर

(204) तिल के ताड़ बनेक — बढ़ा चढ़ाकर पेश करना

(205) पवने में दूब जमेक — असंभव कार्य करना

(206) दाइल गलेक — काम बनना

(207) दाले कइरखा — संदेहास्पद

(208) पीठ ठोकेक — शाबासी देना

(209) पीठ फेरेक / देखबेक — भाग जाना / मुकर जाना

(210) पेट काटेक — तकलीफ सहकर जमा करना

(211) पेटेक पानी नाग पचेक — किसी बात को गुप्त न रखना

(212) पेटे लाइत मारेक — रोजी-रोटी पर वार

(213) पेटें दाढ़ी — देखने में सीधा लेकिन चालाक होना

(214) मुँहें लगाम — बोली पर नियंत्रण

(215) मोंहें ताव — अभिमान दिखाना

(216) हाथ-गोड़ पटकेक — पछतावा करना

(217) हाथ साफ करेक — चालाकी से हथियाना

(218) करेजा फाटेक — अनेक कष्ट सहना

(219) करेजा बहरावेक — अत्यंत वेदना पहुंचाना

(220) करेजा थामेक / करेजाग पथर राखेक
↳ जी कड़ा करना

(221) करेजाग साँप लोटेक — ईर्ष्या करना

(222) करेजा काँपेक — भयभीत होना

(223) कान खड़ा करेक — चौकन्ना होना

(224) चालाक भीत — कल्पना से दीवार खड़ा करना

(225) मनमारन बइठेक — उदास होना

(226) मन डोलेक — लालच होना

(227) मुठान करेक — वश में करना

(228) मुँह लगवेक — अनावश्यक रोक-टोक

(229) मुँह फुलवेक — रूठ जाना

(230) मुँहें कइरखा — कलंक लगाना

(231) मुँह मीठा करेक — मिठाई खिलाना (खुशी आदि में).

— 2 —